इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, मंगलवार, 3 मार्च 2026

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज की आलोचना करनी होगी, उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

वर्ष 18 अंक 181 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 31.4°C (+1.8) न्यूनतम 14.6°C(+1.2) सेंसेक्स 80,238.85 (-1,048.34) निफ्टी 24,865.70 (-312.95) सोना 1,70,860 चांदी 3,15,000 मुद्रा - डालर 91.64 दिरहम 24.95 रियाल 24.43

विश्व श्रवण दिवस पर स्कूलों में सुनने की सेहत पर जोर

एराज मेडिकल कॉलेज ने की अनूठी पहल

लखनऊ (सं)। कान और सुनने की देखभाल को लेकर जनजागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग ने विश्व श्रवण दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए। प्रतिवर्ष तीन मार्च को मनाए जाने वाले इस दिवस पर एरा विश्वविद्यालय की प्रो वाइस चांसलर प्रो. फरजाना महदी ने बच्चों की सुनने की सेहत को विद्यालय स्तर तक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया।

इसी क्रम में प्रीति नगर स्थित उड़ान पब्लिक स्कूल में जागरुकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को कान की स्वच्छता, तेज ध्वनि के दुष्प्रभाव, ईयरफोन के सुरक्षित उपयोग तथा संक्रमण से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। शिक्षकों के लिए पूर्व एवं पश्चात प्रश्नोत्तरी आयोजित कर यह परखा गया कि जागरुकता सत्र का कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ा। विद्यार्थियों ने श्रवण संरक्षण पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत कर संदेश को रोचक ढंग से संप्रेषित किया। कार्यक्रम का संचालन ईएनटी विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनुजा भार्गव के मार्गदर्शन में हुआ। ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच लैंग्वेज विशेषज्ञों की टीम ने सुनने की जांच की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया तथा प्रारंभिक पहचान के महत्व को रेखांकित किया। कॉलेज परिसर में आयोजित शैक्षणिक व्याख्यान सत्र में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के ईएनटी विभाग के प्रमुख डॉ. रणवीर सिंह और डीएसएमएनआरयू के ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर वरुण सिंह ने सामुदायिक जागरुकता, स्कूल स्तर पर नियमित स्क्रीनिंग, बहु-विषयक समन्वय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग जैसे विषयों पर विचार साझा किए।

उन्होंने कहा कि सुनने की समस्या को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि समय पर पहचान न होने से बच्चों की भाषा, शिक्षा और सामाजिक विकास प्रभावित हो सकता है। इसलिए परिवार, विद्यालय और स्वास्थ्य संस्थानों की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे मिलकर सुनने की सेहत को प्राथमिकता दें। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि श्रवण स्वास्थ्य केवल चिकित्सकीय विषय नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार भी है और इसे निरंतर जनआंदोलन का रूप दिया जाना चाहिए।